Literacy for a Billion

Movie: Safar
Year: 1970

Song: Zindgi Ka Safar
Lyricist: Indeevar

जिन्दगी का सफर है
ये कैसा सफर
कोई समझा नही
कोई जाना नही
जिन्दगी का सफर है
ये कैसा सफर
कोई समझा नही
कोई जाना नही
है ये कैसी डगर
चलते हैं सब मगर

कोई समझा नही
कोई जाना नही

जिन्दगी को बहुत प्यार हमने दिया
मौत से भी मोहब्बत निभाँएगे हम
रोते रोते जमाने मे आए मगर
हँसते हँसते जमाने से जाएँगे हम

जाएँगे पर किधर है किसे ये खबर

कोई समझा नही
कोई जाना नही

ऐसे जीवन भी हैं जो जिए ही नहीं
जिनको जीने से पहले ही मौत आ गई
फूल ऐसे भी हैं जो खिले ही नहीं
जिनको खिलने से पहले फिजा खा गई
हैं परेशा मगर थक गए चाह कर

कोई समझा नही
कोई जाना नही
जिन्दगी का सफर है
ये कैसा सफर
कोई समझा नही
कोई जाना नही

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.